

संजय कुमार अग्रवाल  
अध्यक्ष  
*Sanjay Kumar Agarwal*  
Chairman

75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव



सत्यमेव जयते



भारत सरकार  
वित्त मंत्रालय  
राजस्व विभाग  
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क  
Government of India  
Ministry of Finance  
Department of Revenue  
Central Board of Indirect Taxes & Customs

13<sup>th</sup> May, 2024

**DO No. 20/News Letter/CH(IC)/2024**

Dear *Colleague*,

Last week, I visited Mumbai and interacted with the senior officers of the Zones and Directorates located there. Such interactions provide crucial feedback towards the implementation of tax policies, identifying bottlenecks, and addressing emerging challenges in the field. It also helps me in evaluating the performance of the zones, identifying areas for improvement, and streamlining processes. After my visit, I have come back to Delhi with a far better understanding of the local operations at Nhava Sheva Port and the needs of the Zones and Directorates in Mumbai.

Furthermore, I held sessions with the trade associations as well as the officers' associations. Both these sessions were informative and gave me confidence that the stakeholders are appreciative and aligned towards the objectives of the Department.

I have, in the past, highlighted the importance of capacity building. The initiative of NACIN Bhopal – हर बुधवार GST वार – has recently crossed 100<sup>th</sup> episode in the series. It is an immensely popular initiative which is both informational and educative. NACIN Bhopal has also prepared induction training material by releasing the book “*ABCD of GST*” which will be very useful for newly recruited officers.

In enforcement, using comprehensive data analytical tools on HSN, trend analysis and supply chain analysis, the Panchkula Zone cracked down on non-existent entities dealing mainly in iron and steel, metal/ plastic waste and scrap items. In a coordinated effort by various CGST Commissionerates of the Zone, 73 GSTIN(s) were found to be non-existent. These firms had issued bogus bills to the

tune of Rs 1100 Crores involving a tax amount of roughly Rs 197.02 crores. My compliments to the CIU team of the Panchkula zone and the officers of the Commissionerates involved in the operation.

I also noticed that Jaipur CGST Zone has launched a programme to keep a watch over new registrants and to identify potentially fake units by deploying data analytical tools. The results have been encouraging so far and 13 fake units were identified last month. I am sure such proactive measures will help in safeguarding the revenue.

On the Customs side, DRI Delhi Zonal Unit recently seized a total of 31.4 Kgs of Foreign Origin Gold valued at Rs. 20.5 Crores which were concealed in 'lens center instrument' in the form of round disks in an Air Cargo Consignment imported from Hong Kong. During the investigation, the premises to be used for extraction/melting was located and three members of the smuggling syndicate have been arrested. Outstanding case!

Last week, I had the privilege of meeting with the bright young probationers of the Indian Cost and Accounts Service. All the officers are highly qualified professionals and some of them are already associated in the CBIC field formations. I wish them all the best in their service and urge them to utilise their professional expertise in the journey of India from *Amrit Kaal* to *Kartavya Kaal*.

*Until next week!*

Yours sincerely,



**(Sanjay Kumar Agarwal)**

All Officers and Staff of the Central Board of Indirect Taxes & Customs.

13 मई, 2024

DO No. 20/News Letter/CH(IC)/2024

प्रिय सहकर्मी,

पिछले सप्ताह, मैंने मुंबई का दौरा किया और वहां स्थित ज़ोन और निदेशालयों के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। इस बातचीत से कर नीतियों के कार्यान्वयन, बाधाओं की पहचान करने और क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव मिलते हैं। इससे मुझे क्षेत्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने, सुधार के लिए क्षेत्रों की पहचान करने और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने में भी मदद मिलती है। अपनी यात्रा के बाद, मैं न्हावा शेवा बंदरगाह पर स्थानीय संचालन और मुंबई जोन और निदेशालयों की जरूरतों की बेहतर समझ के साथ दिल्ली वापस आया हूँ।

इसके अलावा, मैंने व्यापार एसोसिएशनो के साथ-साथ अधिकारी एसोसिएशनो के साथ भी सत्र आयोजित किए। ये दोनों सत्र जानकारीपूर्ण थे और मुझे विश्वास है कि सभी साझेदार विभाग के उद्देश्यों की सराहना करते हैं और उनके प्रति समर्पित हैं।

मैंने, अतीत में, क्षमता निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला है। NACIN भोपाल की पहल - हर बुधवार जीएसटी वार - ने हाल ही में श्रृंखला की 100वीं कड़ी पार कर ली है। यह एक बेहद लोकप्रिय पहल है जो सूचनात्मक और शिक्षाप्रद दोनों है। NACIN भोपाल ने "ABCD of GST" पुस्तक का विमोचन कर प्रेरण प्रशिक्षण सामग्री भी तैयार की है जो नवनियुक्त अधिकारियों के लिए बहुत उपयोगी होगी।

प्रवर्तन कार्य में, पंचकुला ज़ोन ने HSN, प्रवृत्ति विश्लेषण और supply chain विश्लेषण पर डेटा विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग करते हुए, मुख्य रूप से लोहा और स्टील, धातु / प्लास्टिक अपशिष्ट और स्क्रेप वस्तुओं में काम करने वाली गैर-मौजूद संस्थाओं पर कार्रवाई की। जोन के विभिन्न सीजीएसटी आयुक्तालयों के समन्वित प्रयास में, 73 GSTIN(s) मौजूद नहीं (non-existent) पाए गए। इन फर्मों ने 1100 करोड़ रुपये के फर्जी बिल जारी किए थे, जिसमें लगभग 197.02 करोड़ रुपये की कर राशि शामिल थी। पंचकुला जोन की सीआईयू टीम और ऑपरेशन में शामिल कमिश्नर के अधिकारियों को मेरी बधाई।

मैंने यह भी देखा कि जयपुर सीजीएसटी जोन ने नए पंजीकरणकर्ताओं पर नजर रखने और डेटा विश्लेषणात्मक उपकरण तैनात करके संभावित नकली इकाइयों की पहचान करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है। अब तक परिणाम उत्साहवर्धक रहे हैं और मुझे यकीन है कि ऐसे सक्रिय उपायों से राजस्व की सुरक्षा में मदद मिलेगी।

सीमा शुल्क की ओर से, डीआरआई दिल्ली जोनल यूनिट ने हाल ही में कुल 31.4 किलोग्राम विदेशी मूल का सोना जब्त किया है, जिसकी कीमत रु. 20.5 करोड़ रुपये है, हांगकांग से आयातित एक एयर कार्गो कंसाइनमेंट में गोल डिस्क के रूप में 'लेंस सेंटर इंस्ट्रूमेंट' में छुपाए गए थे। जांच के दौरान, निष्कर्षण/पिघलने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले परिसर का पता लगाया गया और तस्करी सिंडिकेट के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। उत्कृष्ट कार्यवाही!

पिछले सप्ताह, मेरी मुलाकात इंडियन कोस्ट एंड एकाउंट सर्विस (ICoAS) के युवा परिवीक्षार्थियों से हुई। सभी अधिकारी qualified professionals हैं और उनमें से कुछ पहले से ही सीबीआईसी क्षेत्र संरचनाओं से जुड़े हुए हैं। मैं उन्हें उनकी सेवा के लिए शुभकामनाएं देता हूं और उनसे आग्रह करता हूं कि वे भारत की अमृत काल से कर्तव्य काल तक की यात्रा में अपनी व्यावसायिक योग्यता का उपयोग करें।

अगले सप्ताह तक ।

भवदीय,



(संजय कुमार अग्रवाल)

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के सभी अधिकारी और कर्मचारीगण ।